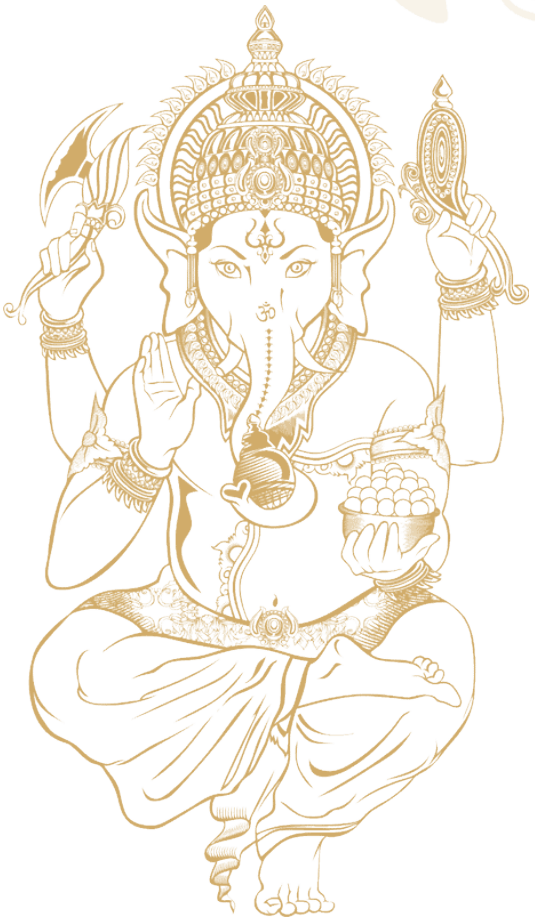

Aditya Singh

05 Dec 2006

09:00 AM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121286703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/12/2006**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	06:14:19 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:02:40 घंटे
वेलान्तर	00:09:30 घंटे
साम्पातिक काल	13:57:52 घंटे
सूर्योदय	06:30:16 घंटे
सूर्यास्त	17:05:30 घंटे
दिनमान	10:35:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:53:30 वृश्चिक
लग्न के अंश	22:29:00 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	22:29:00	360:24:41	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	18:53:30	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	20:35:10	14:10:11	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	वृश्चि	05:17:52	00:42:15	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	01:33:09	01:25:32	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	08:28:33	00:13:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	28:24:25	01:15:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			सिंह	01:06:57	00:00:07	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	27:41:49	00:12:35	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	27:41:49	00:12:35	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:57:00	00:00:46	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:27:20	00:01:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	02:04:51	00:02:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	07:40:18	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:15

लग्न-चलित

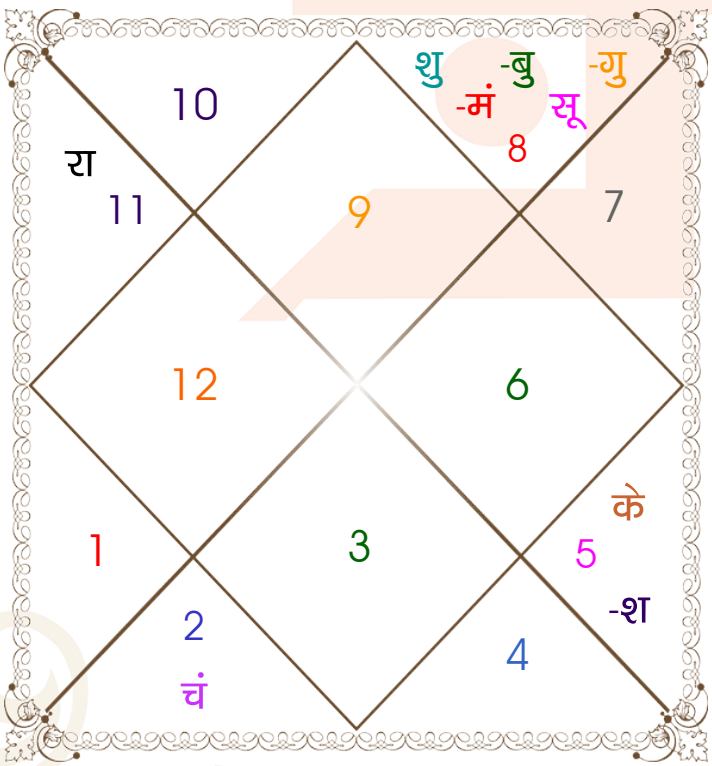

चन्द्र कुंडली

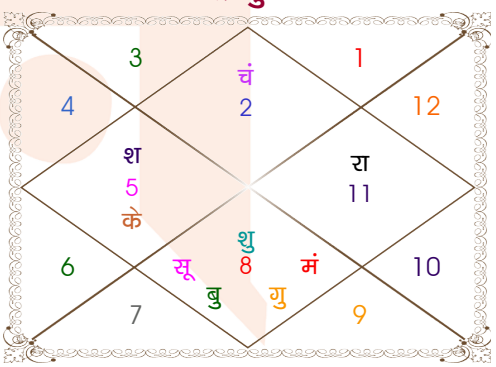

नवमांश कुंडली

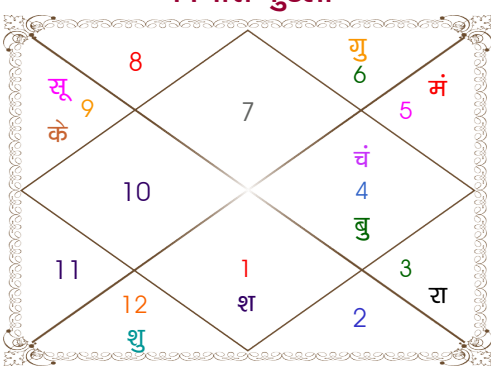

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 0 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/12/2006		26/12/2008		27/12/2015		27/12/2033		27/12/2049	
26/12/2008		27/12/2015		27/12/2033		27/12/2049		26/12/2068	
	00/00/0000	मंगल	25/05/2009	राहु	08/09/2018	गुरु	14/02/2036	शनि	30/12/2052
	00/00/0000	राहु	12/06/2010	गुरु	01/02/2021	शनि	27/08/2038	बुध	09/09/2055
	00/00/0000	गुरु	19/05/2011	शनि	09/12/2023	बुध	02/12/2040	केतु	17/10/2056
	00/00/0000	शनि	27/06/2012	बुध	27/06/2026	केतु	08/11/2041	शुक्र	18/12/2059
	00/00/0000	बुध	24/06/2013	केतु	16/07/2027	शुक्र	09/07/2044	सूर्य	29/11/2060
	00/00/0000	केतु	20/11/2013	शुक्र	16/07/2030	सूर्य	27/04/2045	चंद्र	30/06/2062
	05/12/2006	शुक्र	20/01/2015	सूर्य	09/06/2031	चंद्र	27/08/2046	मंगल	09/08/2063
शुक्र	27/06/2008	सूर्य	28/05/2015	चंद्र	08/12/2032	मंगल	03/08/2047	राहु	15/06/2066
सूर्य	26/12/2008	चंद्र	27/12/2015	मंगल	27/12/2033	राहु	27/12/2049	गुरु	26/12/2068

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/12/2068		27/12/2085		26/12/2092		27/12/2112		28/12/2118	
27/12/2085		26/12/2092		27/12/2112		28/12/2118		00/00/0000	
बुध	25/05/2071	केतु	25/05/2086	शुक्र	27/04/2096	सूर्य	16/04/2113	चंद्र	28/10/2119
केतु	21/05/2072	शुक्र	25/07/2087	सूर्य	27/04/2097	चंद्र	16/10/2113	मंगल	28/05/2120
शुक्र	22/03/2075	सूर्य	30/11/2087	चंद्र	27/12/2098	मंगल	21/02/2114	राहु	27/11/2121
सूर्य	27/01/2076	चंद्र	30/06/2088	मंगल	26/02/2100	राहु	15/01/2115	गुरु	29/03/2123
चंद्र	27/06/2077	मंगल	26/11/2088	राहु	27/02/2103	गुरु	03/11/2115	शनि	28/10/2124
मंगल	24/06/2078	राहु	15/12/2089	गुरु	28/10/2105	शनि	15/10/2116	बुध	29/03/2126
राहु	11/01/2081	गुरु	20/11/2090	शनि	27/12/2108	बुध	22/08/2117	केतु	28/10/2126
गुरु	19/04/2083	शनि	30/12/2091	बुध	28/10/2111	केतु	28/12/2117	शुक्र	06/12/2126
शनि	27/12/2085	बुध	26/12/2092	केतु	27/12/2112	शुक्र	28/12/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।